पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

आपने पिछले अंक में पढ़ा कि चेतन मन शक्तिशाली है, ना कि अवचेतन मन। फिर भी अगर कहीं छोटी-मोटी दुविधा है तो इस दुविधा को खत्म करने के लिए इसपर पुन: हम प्रकाश डालना चाहेंगे। आप अपने भाग्य के निर्माता अपने चेतन मन द्वारा बन सकते हैं। मन शब्द से ही मुनि शब्द का निर्माण हुआ है। अगर मन अच्छा है तो आप कुछ भी कर सकते हैं।

चेतन मन के बारे में जब हम बात कर रहे थे, तो हमने आपसे एक बात कही कि चेतन मन और कुछ नहीं, बल्कि यथार्थ रूप में हमारी पाँचों इंद्रियों द्वारा जो कुछ भी देखा जाता है, जिसमें तर्क होता है, जो हमारे मन रूपी पर्दे पर निरंतर आता रहता है, उसी को ही हम कॉन्शियस माइंड कहते हैं। अब जो कुछ भी हमारे चेतन मन पर आता है, उसी पर निर्णय लेने का काम हमारी बुद्धि करती है। बुद्धि को ही हम निर्णय शक्ति कहते हैं। अब जब बुद्धि किसी भी विचार पर अपना निर्णय देगी, चाहे वो अच्छा विचार हो या बुरा विचार हो, वे विचार यहाँ, वहाँ, जहाँ कहीं भी इकट्ठा होते हैं, उसे कम्प्युटर की भाषा में फोल्डर या मेमोरी फोल्डर कहते हैं। आम बोलचाल की भाषा में इसे संस्कार या आदत या व्यवहार आदि शब्दों से भी जानते हैं।

जब भी आपसे कोई यह बात कहता है कि अंतर्मन शक्तिशाली होता है, या अवचेतन मन शक्तिशाली होता है, यह बात पूरी तरह से भ्रामक है। वो आपको इन उदाहरणों से स्पष्ट हो जायेगा। अब आप बताओ कि अवचेतन में कोई भी विचार कहाँ से आता है, हमारे चेतन मन द्वारा ही तो आता है ना। अर्थात् जो कुछ हम देखते हैं, सुनते हैं, अगर उसको हमने ध्यान से देखा, सुना तो वे विचार जहाँ जाकर इकट्ठा होंगे तो बीच में आपको अच्छा परिणाम देंगे। इसका अर्थ ये हुआ कि विचार उत्पन्न करना, या किसी को देखना,

सुनना, कहना या करना हमारे हाथ में है। हम जो अपने मन को देना चाहें वो वही ग्रहण कर लेता है। उसे ग्रहण करवाने वाली शक्ति अर्थात् सब-कॉन्शियस को या अंतर्मन को बताने वाली शक्ति का नाम चेतन मन है। चेतन मन ही शक्तिशाली है।

यदि हम इसे गार्ड की उपाधि दें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। आपने अगर देखा होगा कि घर के बाहर जब गार्ड खड़ा होता है, तो उसका कार्य क्या होता है, सबका ध्यान रखना, कि किसको अंदर भेजना है, किसको नहीं भेजना है। अब यही हो रहा है हमारे साथ। यदि हमारा चेतन मन रूपी गार्ड सो जाये तो कोई भी अंदर घुस सकता है। बस यही हो रहा है हमारे साथ। आज हम जागृत अवस्था में नहीं हैं, हमें कुछ भी समझ में नहीं आ रहा है कि क्या देखूँ, क्या नहीं देखूँ, क्या सोचूँ, क्या नहीं सोचूँ, बस जो देख रहा है वो देखे जा रहा है। आज हमारा भाग्य जो है, उसे हमने जान-बूझकर या अनजाने में, हमने उसे सोचा ज़रूर है, वो ऐसे ही नहीं हो रहा है। जैसे कुछ लोग कहते हैं कि मेरे साथ ही ऐसा क्यों हो रहा है, तो ऐसे ही नहीं हो रहा है ये, इसे आपने कभी न कभी तो सोचा ही है। अर्थात् कुछ चीज़ें आपने मान्यताओं के आधार से माना, अर्थात् सोचा, वो भी तो कहीं न कहीं जाकर इकट्ठा होंगी ही, वो ही तो आपका भाग्य है। इसलिए भूलकर भी एक बार भी नहीं कहना कि मैं तो पागल हूँ, मैं तो मूर्ख हूँ, मैं तो डलहेड हूँ, नहीं तो कुछ दिन में आप ऐसे ही हो जाएंगे, जैसे आपने कहा कि मैं तो भुलक्कड़ हूँ तो कुछ दिन में आप सारी चीज़ें भूलने लग जाएंगे।

पटना-फ्रेज़र रोड। जन्माष्टमी के कार्यक्रम में चैतन्य झाँकी के साथ ब्र.कु. मीना, ब्र.कु. वंदना, ब्र.कु. उमा, ब्र.कु. अंजना, ब्र.कु. मृदुल, ब्र.कु. साक्षी तथा अन्य।

रूरा-उ.प्र.। जन्माष्टमी के अवसर पर दीप प्रज्वलित करते हुए एस.पी. श्रीमति पुष्पांजलि, एस.ओ. रवीन्द्रकुमार तिवारी, ब्र.कु. प्रीति, ब्र.कु. सुमन व अन्य।

बल्लभगढ़ से.55-हरियाणा। से.23 के एस.आई. जगमाल सिंह को राखी बांधने के पश्चात् चित्र में उनके साथ ब्र.कु. सुशीला तथा अन्य।

बांदा-उ.प्र.। 'व्यसनमुक्ति अभियान' का शुभारंभ करते हुए मण्डलायुक्त वेंकटेश्वरलू जी, ब्र.कु. गीता, ब्र.कु. शालिनी व अन्य।

आगरा-शास्त्रीपुरम। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण करते हुए एयर लाइंस ऑफिसर सतीश कुशवाहा, शूज़ फैक्ट्री मैनेजर भरत कुशवाहा, कलर लैब ऑनर हरिओम जी, ब्र.कु. मधु तथा अन्य।

बरेली-सिविल लाइन। डी.आई. जी. आशुतोष कुमार को राखी बांधने के बाद ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. नीता। साथ हैं ब्र.कु. पारुल।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-7-2016

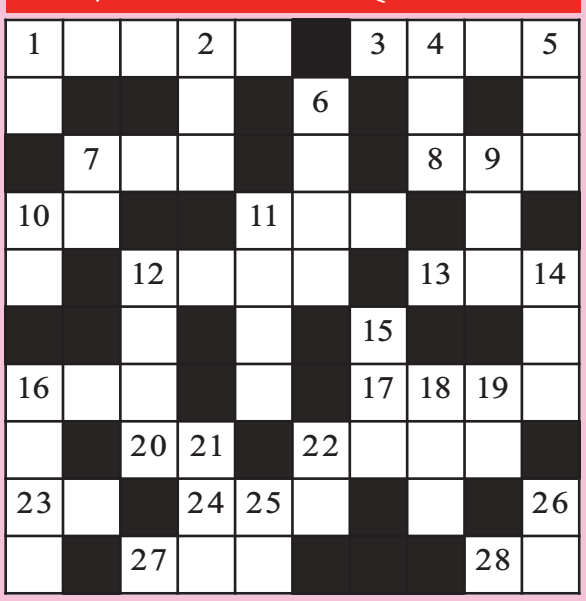

ऊपर से नीचे

1. दशरथ का एक बेटा (2)
2. प्राचीन,....दुनिया से बुद्धियोग निकाल नई दुनिया से लगाना है (3)
4. चमत्कारिक खेल, जादूगरी (3)
5. बिचौलिया, तुम्हारा बुद्धियोग शिवबाबा से लगाना है, ब्रह्मा से नहीं, ब्रह्मा तो सिर्फ .... है (3)
6. आलीशान, खूबसूरत, बहुत अच्छा (4)
7. संसार, दुनिया (2)
9. उदाहरण, उपमा (3)
10. ....के राही थक मत जाना, निशा (2)
11. लम्बी दौड़, दादी जी के स्मृति में होने वाली एक प्रतियोगिता (4)
12. पुरुषार्थ, कर्म (4)
14. धनुष, बागडोर (3)
15. समुदाय, दल, समूह, सभा (3)
16. दुर्बल, शक्तिहीन, निर्बल (4)
18. प्रतिलिपि, अनुकृति, ज्यों का त्यों (3)
19. दुशाला, ओढ़ने का बड़ा कपड़ा (2)
22. चाह, इच्छा, कामना (2)
25. पैर, नर्क को....लगानी है (2)
26. वर्ष, 12 मास का समय (2)

बायें से दायें

1. रावण की दुनिया, यह दुनिया अभी.... है, अभी तुम्हें रामपुरी में चलना है (5)
3. मन-मुटाव, वैचारिक भिन्नता (4)
7. जन्म देने वाली, माँ, माता (3)
8. सम्मिलित, इकट्ठा (3)
10. सुर, ताल, धुन, ईर्ष्या, द्वेष (2)
11. यह दुनिया युद्ध का....है बड़ी सावधानी रखनी है, क्षेत्र (3)
12. वाद-विवाद, कहा-सुनी (4)
13. क्षणिक दर्शन, ...तुम्हारी ओ प्यारे भगवन (3)
16. नज़दीकी, पास वाला (3)
17. इज़्ज़त, कलियुगी झूठे....की इच्छा नहीं रखनी है (4)
20. छुट्टी, अनुमति, सहमति (2)
22. वर्तमान, आद्य, इन दिनों (4)
23. उमंग-उत्साह, खरोश (2)
24. खोज, ढूंढना, खोजबीन (3)
27. बल, शक्ति, ज़ोर (3)
28. केश, बच्चा, बालक (2)

- ब्र.कु.राजेश,शांतिवन।

वर्ग पहेली-1-2016 का उत्तर

ऊपर से नीचे	बायें से दायें
2. हूबहू	1. साहूकार
3. काल	4. गरीब
4. गम	6. बल
5. आधार	7. नम
7. नमस्ते	8. आधा
8. आकार	9. निराकार
9. निमंत्रण	12. मज़ार
10. राजा	13. खलीफा
11. कली	15. यंत्र
13. खतरनाक	17. मत
14. फारकती	18. रग
16. भाग	19. नाग
19. नारायण	20. रसिक
21. नारा	22. तारा
23. आस	23. आना
25. सखा	24. तीसरा
28. लता	26. यज्ञ
29. श्रम	27. सकल
	29. श्रवण
	30. तार
	31. कमर

वर्ग पहेली-2-2016 का उत्तर

ऊपर से नीचे	बायें से दायें
1. परिवार	2. बजाना
2. बर्तन	4. आशिक
3. जान	6. परिवर्तन
4. आशीर्वाद	7. खुशी
5. कयामत	8. दवा
6.पद	10. रब
9. अष्ट	12. दुष्ट
11. बद	13. दवात
12. दुश्मन	15. सखा
14. रस	17. नख
16. खानियाँ	19. खराब
18. खबरदार	21. निवासी
19. खलास	23. बदला
20. बदनसीब	24. सघन
22. सीरत	27. सत
25. घराना	28. दाल
26. लाश	29. राशी
27. सब	30. शराब
	31. जनाब